# श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी, वेरावलम्

# सत्रान्तपरीक्षा एप्रिल – २०१६

| | | |
|---|---|---|
| कक्षा – शास्त्री-१ (SEM-2) | **प्रश्नपत्रम् – ६** | गुणाः - ७० |
| विषयः – वास्तुशास्त्रम् | **CC-1.2.4** | समयः - ११ तः २ |
| दिनाङ्कः – २३/४/२०१६ | सन्दर्भग्रन्थः – वास्तुरत्नावलीः, शिल्पशास्त्रम् | |

| | | |
|---|---|---|
| | **प्रथमान्वितिः -१** | |
| **प्रश्नः -१** | **द्वयोः सान्वयं व्याख्यां कुर्वन्तु ।** | **०८** |
| | (१) एकोऽपि नूनं परभागवर्तीं वियत्स्मरस्थः खचरोऽब्दमध्ये ।<br>करोति गेहं परहस्तयातं स्याद्दुर्बलश्चेदिह वर्णनाथः ॥<br>(२) दुर्गोदयं नन्दकरप्रमाणं तिथ्या समं सप्तदशैव केचित् ।<br>एकोनविंशत् पृथुता त्रयाणां दिक्पालसूर्याष्टकरं वदन्ति ॥<br>(३) अजैकपादहिर्बुध्न्यशक्रमित्रानिलान्तकैः ।<br>समन्दैर्मन्दवारे य रक्षो भूतयुतं गृहम् ॥ | |
| **प्रश्नः -२** | **एकस्मिन् विषये विस्तारेण वर्णनं कुरु ।** | **०८** |
| | (१) भावस्थग्रहाणां फलं विस्तारेण वर्णनं कुरु ।<br>(२) द्वारचक्रविचारः विशदं विवेचयत । | |
| **प्रश्नः -३** | **एकमेव टिप्पणीं लिखत ।** | **०२** |
| | (१) दुर्गनामविचारः ।<br>(२) पुरभेदाः विचारः । | |
| **प्रश्नः - ४** | **द्वयोः लघूत्तरं लिखत ।** | **०२** |
| | (१) दुर्गस्य-उच्यमानं किम् ?<br>(२) गृहं कदा परहस्तगतं भवति ?<br>(३) गृहं किमर्थं परहस्तगतं भवति ?<br>(४) दुर्गाणि कति ? के च ते ? | |
| | **द्वितीयान्वितिः - २** | |
| **प्रश्नः -५** | **द्वयोः सान्वयं व्याख्या कुर्वन्तु ।** | **०८** |
| | (१) नत्वा श्रीकालिकां देवीं गुरुश्च ज्ञानकारणम् ।<br>मातापित्रोः पदाम्भोजं विधिज्ञानं लिखाम्यहम् ॥<br>(२) वास्तोष्पतिम्महादेवं सर्वसिद्धिविधायकम् ।<br>शान्तिकर्तारमीशानं तं वास्तुं प्रणतोऽस्म्यहम् ॥<br>(३) गृध्रः कङ्कः कपोतश्च उलूकः श्येन एव च ।<br>चिल्लश्च चर्मविलश्च मासः पाण्डुर एव च ॥ | |
| **प्रश्नः -६** | **एकस्मिन् विषये विस्तारेण वर्णनं कुरु ।** | **०८** |
| | (१) चतुष्टाष्टिपदे चतुर्भुजे देवानां न्यासचक्रं दर्शयत ।<br>(२) वास्तुपूजाविधिः संक्षेपेण निरूपयत । | |

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| **प्रश्नः -७** | **द्वयोः टिप्पणीं लिखत।** | ०४ |
| | (१) एकाशीतिवास्तुपदमण्डलः।<br>(२) गृहे गृध्रादिपतने विचारः।<br>(३) गृहप्रवेशविधिः।<br>(४) चतुषष्टीवास्तुपदमण्डलस्य महत्त्वम्। | |
| **प्रश्नः -८** | **अधोलिखितयोः पञ्चप्रश्नानां लघूत्तराणि लिखत।** | ०५ |
| | (१) गृहप्रवेशः कदा करणीयम्?<br>(२) वास्तुपूजायां प्रथमं कस्य पूजा भवति?<br>(३) पदमण्डले मध्ये कः देवः भवति?<br>(४) ईशानकोणे कस्य देवस्य स्थापनं भवति?<br>(५) शान्तिपाठं लिखतु।<br>(६) अक्षतात् वास्तुपूजायां उपयोगं भवति न वा?<br>(७) स्नानाम् कति प्रकाराः? के च ते? | |
| | **तृतीयान्वितिः - ३** | |
| **प्रश्नः -९** | **सान्वयं व्याख्यां कुरु केचन द्वयोः।** | ०८ |
| | (१) ब्रह्मबालिं यदा भूमिं लोभादिच्छन्ति क्षत्रियाः।<br>सर्वे ते निधनं यान्ति शैला वज्रहता इव॥<br>(२) गृहारम्भादिने मासे धिष्णे वारे विशेद् गृहम्।<br>विशेसौम्यायने हर्म्यं तृणागारं तु सर्वदा॥<br>(३) सूत्रे विस्तीर्यमाणे तु पन्नगो यदि दृश्यते।<br>अचिरेणैव कालेन सर्पेण निहतो ध्रुवम्॥ | |
| **प्रश्नः -१०** | **एकस्मिन् विषये विस्तारेण वर्णनं कुरु।** | ०८ |
| | (१) वास्तुभूपरीक्षणविधिः विशदं वर्णयत।<br>(२) गृहप्रवेशविधिः विशदं वर्णयत। | |
| **प्रश्नः -११** | **टिप्पणीं लिखत। (द्वयोः)** | ०४ |
| | (१) सूत्रलक्षणविधिः<br>(२) आपविचारः<br>(३) वास्तुनागलक्षणम्<br>(४) व्ययविचारः | |
| **प्रश्नः -१२** | **अधोलिखितयोः पञ्चप्रश्नानां लघूत्तराणि लिखत।** | ०५ |
| | (१) राशयः कति? के च ते?<br>(२) शिल्पशास्त्रग्रन्थे कति अध्यायाः सन्ति?<br>(३) व्ययनामानि लिखतु।<br>(४) आपनामानि लिखतु।<br>(५) सूत्रलक्षणं लिखतु।<br>(६) शिल्पीलक्षणं लिखतु।<br>(७) शिल्पशास्त्रग्रन्थस्य कर्ता कः? | |

***